आलोचना

त्रैमासिक

2004

सहस्राब्दी अंक *सत्रह-अठारह*
अप्रैल-सितम्बर

SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
Nos. 17-18 (Apr-Sep 2004)
TOC Provided by Center for Research Libraries

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
परमानन्द श्रीवास्तव

सहसम्पादक
आर. चेतनक्रान्ति

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

संपादकीय : प्रतिरोध का नायकत्व 5

संस्मरण

वह वायदा नहीं निभा पाये : **गुरुदयाल सिंह** 7
भीष्म साहनी : **कृष्णा सोबती** 9
न ममार न जीर्यति : **अरुण कमल** 13
भीष्म जी की छवियाँ : **प्रयाग शुक्ल** 16
जब भीष्म मास्को में थे : **राधेश्याम दुबे** 19

भीष्म साहनी के पत्र 23

जो मैं लिखता हूँ

लिहाफ में अटकी आवाज 28
मास्को में टैगोर शती समारोह 32
भीष्म साहनी से राजीव रंजन की बातचीत 34
आत्मकथा भीष्म साहनी जैसी : **भगवान सिंह** 37

***संवाद-एक* : तमस**

दास्ताने-खिजर उर्फ़ शैतानियत की आँखें : **रघुवंश मणि** 44
शहर पर उड़ती चीलें : **आशुतोष कुमार** 53
'तमस' : रचनात्मक दबावों की खोज : **राजेन्द्र यादव** 60
उपनिवेशवाद और साम्प्रदायिकता : **विजेन्द्र नारायण सिंह** 65
साम्प्रदायिकता, उपनिवेशवाद और तमस : **चमनलाल** 69
साम्प्रदायिकता, उपनिवेशवाद और उपन्यास : **अवधेश कुमार सिंह** 76
मुल्ला, मियाँ, मशालची : तमस के चेहरे और चेहरों का तमस : **रमेश दवे** 80
तमस के बहाने इतिहास से संवाद : **अजय वर्मा** 87
'तमस' : उत्तर-औपनिवेशिक पाठ, विचारधारा और विन्यास : **अनिल राय** 92
अँधेरे बर्बर समय में विभाजन की त्रासदी : **परमानंद श्रीवास्तव** 102
कदम इक्कीसवीं सदी में, दिमाग मध्ययुग में : **भास्कर लक्ष्मण भोले** 107

संवाद-दो : मय्यादास की माड़ी और बसन्ती

संघर्षशील रचनात्मकता का नया पाठ : **सत्यप्रकाश मिश्र** 115
प्राच्यवाद से 'मय्यादास की माड़ी' के इतिहास-विमर्श तक : **विनोद शाही** 120
फिर-फिर घर उजड़ने और बसाने का साहस : **सूरज पालीवाल** 131

संवाद-तीन : कहानियाँ

कहानी कभी भी खत्म नहीं होती : **शंभु गुप्त** 137
माँ का क्या होगा : **प्रफुल्ल कोलख्यान** 147
विडम्बना नहीं, भयावह क्रिया-कलाप : **श्रीराम त्रिपाठी** 155

संवाद-चार : नाटक

भीष्म साहनी के नाटकों में सामाजिक चेतना : **सत्यदेव त्रिपाठी** 160
भीष्म साहनी के कबीर : **विजय पंडित** 167
कबिरा खड़ा बजार में की प्रस्तुति प्रक्रिया : **रमेश राजहंस** 172
हानूश की घड़ी में वक्त के अंदाज : **राजेन्द्र कुमार** 178
'हानूश' और 'माधवी' में भीष्म साहनी : **गिरीश रस्तोगी** 182

संवाद पाँच : माधवी और स्त्री-विमर्श

धुँधले हाशिए के निहितार्थ : **अंशुल त्रिपाठी** 194
स्त्री-विमर्श और माधवी : **भवदेव पांडेय** 198
'माधवी' की नाट्य-संवेदना और स्त्री-स्वायत्तता : **भूपेन्द्र कलसी** 204
भीष्म साहनी का स्त्री-विमर्श : **रोहिणी अग्रवाल** 211

विचारधारा और संगठन

भीष्म साहनी और प्रगतिशील आन्दोलन : **खगेन्द्र ठाकुर** 229
प्रगतिशील लेखक संघ एवं भारतीय जन नाट्य संघ में भीष्म जी : **ब्रज कुमार पांडेय** 239

रंग-प्रसंग

'तमस' : एक यादगार फिल्म और नॉवेल : **ए.के. हंगल** 247
भीष्म साहनी और जनतांत्रिक धर्मनिरपेक्षता : **राजेन्द्र नाथ** 249
उदार और रैशनल थे भीष्म साहनी : **एम.के. रैना** 251
न जानते हुए भी जानना : **अपर्णा सेन** 254
'माधवी' नारीवादी नहीं, प्रगतिशील नाटक है : **अरविन्द गौड़** 255
'तमस' एक पूरी दुनिया है : **यूनुस परवेज** 257
'माधवी' मेरा पहला एकल अभिनय है : **राशी बनी** 259